क्रम

कवि मित्र नरेन्द्र शर्मा	iii
दूसरे संस्करण की भूमिका	xi
पहले संस्करण की भूमिका	xiii
परिचय	xvii

प्रथम भाग

रूपतरंग	**25-100**

दूसरा भाग

निकोला दप्त्सारोव की कविताएँ	**101-148**

तीसरा भाग

प्रगतिशील कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि	**149-310**
तारसप्तक और प्रगतिवाद	151
स्वाधीनता आन्दोलन के गैर-कांग्रेसी रास्ते	164
हिन्दी में नया यथार्थवाद	172
साहित्य में कांग्रेसी नीति से निराला की टक्कर	183
रूपाभ की भूमिका	192
नरेन्द्र शर्मा की भूमिका	203
प्रगतिशील कविता और निराला	214
अवसरवादी रुझानों की पराजय	229
प्रगतिवाद से आधुनिकतावाद की ओर	241
त्रिलोचन : आधुनिकता और परंपराबोध	253
त्रिलोचन : यथार्थवादी कला और जन आन्दोलन	264
जाति, जनपद, राष्ट्र और साहित्य	293
रूपाभ, रूपतरंग और तार सप्तक	303
परिशिष्ट एक : कविताएँ	**311-314**
परिशिष्ट दो : निबन्ध	**315-339**